अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

मिथकों और भ्रांतियों को कैसे दूर करें - हीरों को लेकर ग्राहकों द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले सवालों के लिए आपकी मार्गदर्शिका

पिछले दो दशकों के दौरान, आधुनिक हीरा खनन में महत्वपूर्ण, सकारात्मक बदलाव आया है; हालाँकि, कई गलत और पुरानी धारणाएँ अभी भी प्रचलित हैं. यह ग्राहकों के मुश्किल सवालों का सरल, तथ्यात्मक और आत्मविश्वास से भरा जवाब देने के लिए आपकी मार्गदर्शिका है.

हर प्राकृतिक हीरा प्रकृति का अनूठा, अरबों साल पुराना चमत्कार है, जिसका अपनी दुर्लभता और अंतर्निहित बहुमूल्यता के कारण स्थायी भावनात्मक और वित्तीय मूल्य होता है.

आधुनिक हीरा खनन अत्यधिक विनियमित क्षेत्रक है. यह विश्व स्तर पर 10 मिलियन लोगों को आजीविका देता है और जिस भूमि पर खनन किया जाता है उसका सम्मान और दीर्घकालिक संरक्षण और परिरक्षण सुनिश्चित करता है.

प्राकृतिक हीरे की प्रत्येक खरीद जिम्मेदार और पारदर्शी व्यावसायिक प्रथाओं को महत्व देने वाले उद्योग का समर्थन करती है, जबकि साथ ही स्थानीय समुदायों की दीर्घकालिक सतत विकास और स्थायी सकारात्मक विरासत उत्पन्न करने में सहायता करती है.

“मुझे कैसे मालूम होगा कि मैं नैतिक हीरा खरीद रहा/रही हूँ?”

हीरा उद्योग ने पिछले 20 सालों में अपने आपको बदलने के लिए कड़ी मेहनत की है। आज, ब्लड डायमंड (90 के दशक की पृष्ठभूमि मे) फिल्म में दर्शाया गया "कन्फ्लिक्ट डायमंड" संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनिवार्य बनाई गई किम्बर्ले प्रक्रिया के माध्यम से बाजार से लगभग हट गया है। हीरा उद्योग भी लोगों, धरती और व्यावसायिक नैतिकता को शामिल करने के लिए किम्बर्ले प्रक्रिया से ऊपर और परे जाता है। यह उद्योग यह सुनिश्चित करने के लिए देश–विशिष्ट नियमों के साथ–साथ कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार रूपरेखाओं और श्रम नियमों का पालन करता है, कि यह सबसे अधिक जिम्मेदारी भरे और टिकाऊ ढंग से व्यापार करे।

क्या आपको मालूम है?

हीरा उद्योग दुनिया भर में 1 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका का साधन देता है।

हीरा उत्पादक जिन देशों में काम करते हैं, वहाँ सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों में हर साल $16 बिलियन डॉलर बनाते हैं। कुल लाभों का 80% वापस स्थानीय समुदायों में उँड़ेल दिया जाता है।

हर साल, आधुनिक हीरा खनन शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक, दुनिया भर में सामाजिक कार्यक्रमों से संबंधित लाभों में $29.2 करोड़ डॉलर से अधिक का योगदान देता है।

“क्या हीरा खनन लोगों के लिए हानिकारक है?”

आधुनिक हीरा खनन दुनिया के दूर–दराज के क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित, उच्च–गुणवत्ता वाला, उच्च–भुगतान वाला कैरियर अवसर प्रदान करता है जहाँ अन्यथा काम–रोजगार का अवसर सीमित है। यह उद्योग अपने कर्मचारियों और ठेकेदारों की सुरक्षा और कुशलक्षेम को किसी अन्य प्रतिफल से पहले रखता है। प्रमुख हीरा उत्पादकों के कर्मचारियों को राष्ट्रीय औसत वेतन से औसतन 66% अधिक भुगतान किया जाता है और उन्हें अपने देश में जीवन निर्वाह मजदूरी का लगभग पाँच गुना प्राप्त होता है।

क्या आपको मालूम है?

आज बड़े पैमाने पर हीरा खनन कार्यों में प्रति 1,000,000 घंटा किए गए काम पर केवल एक सुरक्षा हादसा होता है। संदर्भ के लिए, आज खुदरा क्षेत्र में सुरक्षा चोट की आवृत्ति 15 गुना अधिक है, और परिवहन उद्योग में 30 गुना अधिक है।

कारीगर हीरों के छोटे पैमाने पर खनन की विश्व के हीरा उत्पादन में 15% हिस्सेदारी है और 15 लाख लोगों को आजीविका मिलती है। वैश्विक हीरा उद्योग भी कारीगर हीरा खनिकों की काम करने की स्थिति में लगातार सुधार लाने के लिए गैर सरकारी संगठनों और सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

“क्या हीरा खनन पर्यावरण के लिए हानिकारक है?”

हीरा उद्योग दुनिया में सबसे अधिक विनियमित उद्योगों में से एक है। जहाँ, सभी तुलनीय उद्योगों की तरह, हीरा खनन का भी पर्यावरणीय प्रभाव पड़ता है, वहीं हीरा क्षेत्रक इसका प्रभाव नियंत्रित और कम करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। खनन कार्यों के सुगठित आकार के कारण हीरा उत्पादकों का भूमि पर बहुत संकीर्ण फुटप्रिंट है। विश्व स्तर पर, प्रमुख हीरा उत्पादक 325 वर्ग मील का संयुक्त क्षेत्र इस्तेमाल में लाते हैं–जो लगभग न्यूयॉर्क शहर के आकार के बराबर है। जितना इस्तेमाल करते हैं उसकी तुलना में 3 गुना अधिक 1,000 वर्ग मील भूमि का संरक्षण करते हैं, जो आकार में योसेमाइट नेशनल पार्क के बराबर है। हीरा खनन में जहरीले रसायनों के इस्तेमाल की आवश्यकता नहीं होती है, प्रसंस्करण किम्बरलाइट चट्टान से हीरों को अलग करने के लिए पानी और दबाव पर निर्भर है। अग्रणी हीरा उत्पादक हीरा निकासी में प्रयुक्त औसतन 83 प्रतिशत पानी के संरक्षण, पुनर्चक्रण के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उत्सर्जन कम करना, नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना, और खदान बंद करने की जिम्मेदार योजनाएं वे कुछ तरीके हैं जिनके प्रति यह उद्योग टिकाऊ भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है।

क्या आपको मालूम है?

डी बीयर्स सफल कार्बन कैप्चर तकनीक के माध्यम से अगले दशक में कार्बन–तटस्थ खदान पर काम कर रहा है, जिससे अन्य उद्योग भी लाभान्वित हो सकते हैं।

हीरे की प्रमुख खदानें तेजी से जलविद्युत और पवन ऊर्जा का रूख कर रही हैं, जैसे कि कनाडा की डियाविक डायमंड माइन, जो हर साल लाखों लीटर डीजल का समायोजन करती है।

“क्या हीरे दुर्लभ हैं?”

हाँ, प्राकृतिक हीरे सीमित और दुर्लभ हैं। प्राप्त हीरों की संख्या 2005 में चरम पर पहुँच गई थी और अगले दशक में इसमें काफी कमी आएगी। हीरा हर दिन दुर्लभ होता जा रहा है क्योंकि लगभग 30 सालों में कोई नई खोज नहीं की गई हैं। सालाना प्राप्त होने वाले 1 कैरट के हीरों की कुल मात्रा केवल एक एक्सनरसाइज बॉल के अंदर समा सकती है।

“हीरे कितना पुराने हैं?”

अधिकांश हीरे 1 से 3 अरब साल पहले बने थे और ज्वालामुखी विस्फोट से पृथ्वी की सतह पर पहुँचे हैं। हीरा वह सबसे पुरानी चीज है जिसे आप कभी भी स्पीर्श करेंगे या जिसका मालिक बनेंगे। किम्बरलाइट्स, प्राचीन भूमिगत ज्वालामुखी पाइपें जिनमें आज के अधिकांश हीरे पाए जाते हैं, को ढूंढना बहुत मुश्किल होता है, और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य किम्बरलाइट्स इससे भी कम हैं। वास्तव में, आज मिलने वाले अधिकांश हीरे दशकों पहले खोजे गए किम्बरलाइट्स से आते हैं।

“क्या यह उद्योग एकाधिकार के अधीन नहीं है?”

नहीं, आज के हीरा बाजार में कोई एकाधिकार नहीं है। चार महाद्वीपों में फैले, कनाडा, अफ्रीका, साइबेरिया और ऑस्ट्रेलिया में स्थित आज के सबसे बड़े हीरा उत्पादक या तो सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाले निगम हैं या राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम हैं। आज ऐसी कोई

NATURAL DIAMOND COUNCIL

भी कंपनी नहीं है जिसके पास हीरा उत्पादन में बहुसंख्यक बाजार हिस्सेदारी है। इसका मतलब यह है कि स्टॉक संचय या कृत्रिम मूल्य निर्धारण की कोई संभावना नहीं है। यह एक स्वस्थ, प्रतिस्पर्धी बाजार है।

“क्या हीरा केवल अच्छे विपणन का उत्पाद नहीं हैं?”

हीरों का विपणन अस्तित्व में आने से बहुत पहले, हीरों के प्रति हमारा आकर्षण सदियों से चला आ रहा है। वास्तव में, कामदेव के तीर की नोंक हीरे में डुबोई गई था, और सगाई का द्योतक हीरे की पहली अँगूठी ऑस्ट्रिया के आर्कडयूक मैक्सिमिलियन द्वारा 1477 में वियना के शाही दरबार में दी गई थी और महान अमेरिकी क्लासिक, गॉन विथ द विंड, को न भूलें जिसमें प्रसिद्ध प्रचार वाक्य ‘हीरा है सदा के लिए गढ़े जाने से दो दशक पहले सगाई के लिए हीरे की अंगूठी पेश की गई थी।

“क्या यह सच है कि मुझे सगाई की अंगूठी के लिए 2 महीने का वेतन खर्च करना पड़ेगा?”

हालांकि सगाई की अंगूठी पर जो खर्च करना होता है, वह लंबे समय से सांस्कृतिक मानक के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन इसका केवल संदर्भ बिंदु के रूप में इस्तेमाल करें। आप हीरे पर कितना खर्च करना पसंद करते हैं, यह पूरी तरह आप पर निर्भर है – कोई ‘सही राशि’ नहीं है। इससे भी महत्वपूर्ण बात, वह हीरा चुनें जो आपसे बात करे, प्रत्येक प्राकृतिक हीरा पूरी तरह से अद्वितीय होता है। कल्पना करें कि यह हीरा आने वाली पीढ़ियों के लिए आपके परिवार में होने की सबसे अधिक संभावना है। हर कीमत बिंदु पर सुंदर प्राकृतिक हीरे उपलब्ध हैं, और निश्चिंत रहें, पिछले 35 सालों में, प्राकृतिक हीरे की कीमत में हर साल औसतन लगभग 3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

“क्या यह सच है कि युवा लोग हीरा नहीं खरीदते हैं?”

आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। अनुसंधान से पता चलता है कि मिलेनियल्स की प्रामाणिकता, दुर्लभता और बहुमूल्यता प्रदान करने वाले उत्पादों में गहरी रुचि है और एक अरब साल पुराना हीरा उनके जीवन और रिश्तों में प्रामाणिकता की आदर्श अभिव्यक्ति है। मूल्यानुसार अमेरिकी मिलेनियल्स आज हीरे के आभूषणों की माँग का लगभग 60% का प्रतिनिधित्व करते हैं और यह लगातार बढ़ रहा है।

“क्या प्रयोगशाला निर्मित हीरा प्राकृतिक हीरों के समान होता है? आप इन्हें कैसे अलग बता सकते हैं?”

नहीं–प्रयोगशाला निर्मित हीरा प्राकृतिक हीरों के समान नहीं होता है. इनके बीच प्राथमिक अंतर इनकी उत्पत्ति है. प्रयोगशाला निर्मित हीरों का मुख्य रूप से औद्योगिक रिएक्टरों में चीन, भारत और सिंगापुर में स्थित कारखानों में बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है. सिर्फ 2 सप्ताह में संपन्न होने वाली द्रुत, कृत्रिम उत्पादन प्रक्रिया पत्थरों के भीतर साफ दिखाई देने वाला निशान छोड़ जाती है, जिससे इनका सही उपकरण से आसानी से पता लगाया जा सकता है.

“क्या प्रयोगशाला निर्मित हीरा भी अद्वितीय होता है?”

प्रयोगशाला निर्मित हीरे अद्वितीय नहीं होते हैं – इनका संभावित रूप से असीमित मात्रा में बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है. वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक हीरा हिमकण या फिंगरप्रिंट की तरह पूरी तरह से अद्वितीय होता है.

“क्या प्रयोगशाला निर्मित हीरे प्राकृतिक हीरों की तुलना में अधिक पर्यावरण अनुकूल होते हैं?”

नहीं. वस्तुत:, हाल ही में किए गए तृतिय पक्ष शोध से पता चलता है कि प्राकृतिक हीरों से प्रयोगशाला निर्मित हीरों की तुलना में प्रति कैरट 3 गुना कम कार्बन उत्सर्जन होता हैं, जो केवल 3 आईफोन उत्पादन के लिए आवश्यक कार्बन उत्सर्जन के बराबर है. प्रमुख हीरा उत्पादक हीरा निकालने में प्रयुक्त औसतन 83 प्रतिशत पानी का पुनर्चक्रण करते हैं. इसके विपरीत, प्रयोगशाला निर्मित हीरों को बनाने के लिए कुछ ही सप्ताह में एक अरब साल पुरानी प्राकृतिक प्रक्रिया दोहराने के लिए बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है, और साथ ही रिएक्टरों को ठंडा करने के लिए पानी की बहुत खपत होती है. जहाँ प्राकृतिक हीरा उत्पादकों के पास अपने दावों का समर्थन करने के लिए स्वतंत्र आंकड़ें हैं, वहीं प्रयोगशाला निर्मित हीरा निर्माताओं के पास नहीं, और हाल ही में उन्हें संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) द्वारा निराधार इको–दावों के बारे में चेतावनी दी गई है.

“प्राकृतिक और प्रयोगशाला निर्मित हीरों के बीच मूल्य प्रस्ताव में क्या अंतर है?”

प्राकृतिक हीरा अपनी विशिष्टता और दुर्लभता के कारण मूल्यवान होता है क्योंकि प्राकृतिक हीरा धरती पर जीवन से भी पुराना अरबों साल पुराना कीमती रत्न होता है। पिछले 35 वर्षों में, प्राकृतिक हीरों की कीमत में हर साल औसतन लगभग 3% की वृद्धि हुई है. वर्तमान में प्राकृतिक हीरों की तुलना में प्रयोगशाला निर्मित हीरे थोड़ी कम कीमत पर बेचे जाते हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर उत्पादन के कारण लागत में गिरावट लगातार जारी है. 2018 में प्रयोगशाला निर्मित हीरों की कीमत में काफी गिरावट आई; तुलनीय प्राकृतिक हीरों की कीमत के सापेक्ष 1 कैरट प्रयोगशाला निर्मित हीरे की कीमत में लगभग 50% गिरावट आई है. इसलिए, इनका बहुत कम या कोई पुनर्विक्रय मूल्य नहीं होता है.

“क्या प्रयोगशाला निर्मित हीरे प्राकृतिक हीरों की तुलना में सामाजिक रूप से साभिप्राय होते हैं?”

नहीं, प्राकृतिक हीरा उद्योग दुनिया भर में 1 करोड़ लोगों को आजीविका देता है. प्रमुख हीरा उत्पादक कर्मचारियों, समुदायों और पर्यावरण को सालाना $16 बिलियन डॉलर का लाभ देते हैं– और इनमें से 80% लाभ स्थानीय समुदायों द्वारा बनाए रखा जाता है. प्रयोगशाला निर्मित हीरा कंपनियों द्वारा उत्पन्न धन का केवल कुछ चुनिंदा उद्यम पूंजीपतियों और निवेशकों को ही लाभ मिलता है, जिन्होंने अभी तक समान सामाजिक आर्थिक योगदान का प्रदर्शन नहीं किया है.

“क्या प्रयोगशाला निर्मित हीरे ग्रेडिंग रिपोर्ट के साथ आते हैं?”

जहाँ जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका (जीआईए) सहित कुछ ग्रेडिंग प्रयोगशालाएं प्रयोगशाला निर्मित हीरों को प्रमाणित नहीं करती हैं, वहीं आईजीआई और जीएसआई प्रयोगशाला निर्मित हीरों के लिए ग्रेडिंग रिपोर्ट प्रदान करती हैं, लेकिन रिपोर्ट पर यह स्पष्ट कर दिया जाता है कि ग्रेडिंग किया जा रहा पत्थर प्रयोगशाला निर्मित है न कि प्राकृतिक. गैर–तृतीय पक्ष ग्रेडिंग रिपोर्टों से सावधान रहना जरूरी है जो स्पष्ट रूप से पत्थर को प्रयोगशाला निर्मित नहीं बताते हैं.

“प्राकृतिक हीरों को खोद कर निकाले गए के बजाय प्राकृतिक संदर्भित करना अधिक सटीक क्यों है?”

“खोद कर निकाला गया हीरा” शब्द भ्रमित करने वाला और संभावित रूप से गलतफहमी पैदा करने वाला है क्योंकि सभी प्राकृतिक हीरों को खोद कर नहीं निकाला जाता है. कुछ प्राकृतिक हीरे कभी नहीं निकाले जाते, क्योंकि ये आधुनिक तकनीक से भी पहुँच योग्य नहीं पृथ्वी के अंदर गहराई में बंद रहते हैं, या उन्हें प्राकृतिक शक्तियों द्वारा पृथ्वी की सतह पर धकेला जाता है और बिना खोदे प्राप्त किया जाता है. वास्तव में प्राकृतिक हीरा प्रकृति की शक्तियों द्वारा निर्मित होता है और अपने प्राकृतिक रूप में विद्यमान रहता है, चाहे निकाला जाए या नहीं.

NATURAL DIAMOND COUNCIL